# स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड में बेहतर भविष्य की संभावनाएं

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से स्प्रिचुअल टूरिज्म यानी धार्मिक पर्यटन में तेजी आई है। न केवल अयोध्या, बल्कि काशी, मथुरा, उज्जैन और अन्य धार्मिक स्थलों पर कॉरिडोर विकसित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत स्प्रिचुअल टूरिज्म का वैश्विक केंद्र बनेगा, जो लाखों रोजगार पैदा करेगा। इसी क्रम में स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर उभर रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के सहायक आचार्य पर्यटन डॉ. महेन्द्र पाल बताते हैं, स्प्रिचुअल टूरिज्म में गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे पर्यटकों को धार्मिक स्थलों की आध्यात्मिक गहराई समझाते हैं।

डॉ. महेंद्र पाल सिंह
सहायक आचार्य टूरिज्म
डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

## क्या होता है स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड

- स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड वह पेशेवर होता है, जो धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों पर पर्यटकों को गाइड करता है। वे मंदिरों, तीर्थों का इतिहास, पौराणिक कथाएं, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक महत्व बताते हैं। सामान्य टूर गाइड से अलग, ये गाइड आध्यात्मिक अनुभव पर फोकस करते हैं, जैसे ध्यान, पूजा-अर्चना या योग सत्र आयोजित करना। पर्यटन विभाग के अधिकारी संजय सिंह कहते हैं कि ये गाइड पर्यटकों को सुरक्षित और सार्थक यात्रा प्रदान करते हैं, जिससे टूरिज्म बढ़ता है।

### योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है, लेकिन पर्यटन में डिप्लोमा या डिग्री होना बेहतर है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, इतिहास-धर्म का ज्ञान और कम से कम दो भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी) का ज्ञान अनिवार्य है। भारत सरकार से टूर गाइड लाइसेंस प्राप्त करना पड़ता है, जो क्षेत्रीय या राष्ट्रीय स्तर का हो सकता है।

आने वाले समय में जॉब अपॉर्चुनिटी एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार धार्मिक टूरिज्म से 4-5 वर्षों में 2 लाख रोजगार सृजित होंगे, जबकि 2028 तक राजस्व 60 अरब डॉलर पहुंचेगा। स्किफ्ट रिपोर्ट कहती है कि 2030 तक स्प्रिचुअल टूरिज्म से 10 करोड़ रोजगार मिलेंगे। अयोध्या जैसे स्थलों पर गाइड, टूर ऑपरेटर, होटल मैनेजमेंट में मौके बढ़ेंगे।

**अवध विश्वविद्यालय में कुल सीट**
**60**

**छह वर्षों में हर वर्ष**
**80**
**प्रतिशत प्लेसमेंट**

### पढ़ाई और कोर्स की अवधि

आरएमएलएयू में बी.वोक (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) 3 वर्ष का कोर्स है, जिसमें टूरिज्म सब्जेक्ट शामिल है। एडमिशन के लिए 12 वीं में 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। कोर्स की फीस करीब 20-30 हजार रुपये सालाना है। मास्टर इन टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन (एमटीए) 2 वर्ष का है। पर्यटन विभाग में गाइड, इंफॉर्मेशन ऑफिसर, टूर मैनेजर जैसे पद हैं। सरकारी लाइसेंस प्राप्त गाइड प्राथमिकता पाते हैं।

### टूरिस्ट डिपार्टमेंट में सैलरी

अवध विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के अनुसार औसत सैलरी 16-22 हजार रुपये मासिक है। लाइसेंस्ड गाइड 400-800 रुपये प्रति घंटा कमा सकते हैं। अनुभवी गाइड 3-5 लाख सालाना तक पहुंचते हैं। इसके अलावा सरकारी पदों पर 30-50 हजार रुपये से सैलरी शुरू होती है।

## जॉब अलर्ट

### भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)

- पद का नाम : विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारी
- पदों की संख्या : 103
- योग्यता : कोई भी स्नातक, बी.ए., बी.कॉम, कोई भी स्नातकोत्तर, सीए, एमबीए/पीजीडीएम, पीजी डिप्लोमा
- आयु सीमा : 25 से 50 वर्ष
- आवेदन करने की अंतिम तिथि : 17-11-2025
- वेबसाइट : sbi.bank.in

### नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन

- पद का नाम : कार्यकारी प्रशिक्षु
- पदों की संख्या : 30
- वेतनमान : 50,000 - 1,60,000 रुपये
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई.
- आयु सीमा : 18 - 35 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 17-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : neepco.co.in

### राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी)

- पद का नाम : प्रबंधक, महाप्रबंधक व अन्य
- पदों की संख्या : 70
- वेतनमान : 40,000-2,20,000 रुपये
- योग्यता : स्नातक, बी.टेक/बी.ई., सीए, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए/पीजीडीएम
- आयु सीमा : 31 से 41 वर्ष
- आवेदन करने की अंतिम तिथि : 16-11-2025
- वेबसाइट : nsic.co.in

एन एस आई सी NSIC

## यूनिवर्सिटी में पहला दिन

### यहां पर श्रीलंका सा पाया अपनापन

लखनऊ विश्वविद्यालय में मेरा पहला दिन सचमुच अविस्मरणीय रहा। यह मेरा भारत आने का भी पहला अनुभव था, इसलिए उस दिन मैं बहुत उत्साहित थी। साथ ही थोड़ी जिज्ञासा और हल्की घबराहट भी थी। मैं श्रीलंका से हूं और इस विश्वविद्यालय में पढ़ने का अवसर पाकर मैं खुद को भाग्यशाली और आभारी महसूस करती हूं। मैंने विश्वविद्यालय के बारे में पहले पढ़ा था और गूगल पर भी कई बार देखा था, लेकिन उसे अपनी आंखों से देखने का उत्साह अलग ही था। जैसे ही मैं अपनी दोस्तों के साथ विश्वविद्यालय पहुंची, वहां की सुंदर इमारतें और ऐतिहासिक वातावरण देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक सभी कर्मचारियों ने हमारा बहुत ही अपनेपन से स्वागत किया। पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया में उन लोगों ने हमारी मदद की, जिससे मेरी घबराहट काफी कम हो गई। भाषा की थोड़ी मुश्किलें जरूर थीं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी असहज महसूस नहीं होने दिया। मुझे आज भी याद है, जैसे ही हमारा पंजीकरण पूरा हुआ और हम बाहर निकलने लगे, अचानक बारिश शुरू हो गई। प्रकृति प्रेमी होने के नाते वह पल मुझे बहुत अच्छा लगा। बारिश और विश्वविद्यालय का दृश्य मिलकर एक नई शुरुआत का अहसास दे रहा था। हालांकि घर की याद से थोड़ी उदासी भी थी, लेकिन एक गरम प्याली चाय ने वह उदासी तुरंत मिटा दी। तभी मुझे लगा कि यह जगह मुझे केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अनमोल अनुभव भी देगी।

धिनुका सुमन कुमारी

# स्मार्ट स्टडी प्लान से फर्स्ट अटेंप्ट में क्रैक करें सीटेट परीक्षा

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) भावी शिक्षकों की योग्यता निर्धारित करने के लिए सीबीएससी द्वारा देशभर में आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। हाल ही में सीबीएससी ने सीटेट का नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसकी परीक्षा 8 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा पास करने के लिए अभ्यर्थियों को एक मजबूत स्टडी प्लान तैयार करना चाहिए। एक ठोस स्टडी प्लान अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रिपरेशन का एक स्पष्ट मार्ग तैयार करती है। आज हम आपको बताते हैं कि सीटेट की प्रिपरेशन कैसे करें, जिसको फॉलो करके आप फर्स्ट अटेंप्ट में सफल हो सकते हैं।

*- नवनीत तिवारी*
*करियर काउंसलर*

### परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न को समझें

सीटेट परीक्षा में प्राथमिक और जूनियर स्तर की परीक्षा में 150-150 प्रश्न पूछे जाते हैं। प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में बाल विकास एवं शिक्षण विधि से 30 प्रश्न, भाषा-1 हिंदी से 30 प्रश्न, भाषा-2 अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू से 30 प्रश्न, गणित से 30 प्रश्न और पर्यावरणीय अध्ययन से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं। वहीं उच्च प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में बाल विकास और शिक्षाशास्त्र से 30 प्रश्न, गणित और विज्ञान/सामाजिक अध्ययन या सामाजिक विज्ञान विषय से 60 प्रश्न, भाषा-1 हिंदी से 30 प्रश्न तथा भाषा-2 अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं। न्यूनतम उत्तीर्ण अंक- सामान्य वर्ग - 60 प्रतिशत (90 अंक), आरक्षित वर्ग- 55 प्रतिशत (82 अंक) हैं।

### स्टडी प्लान बनाएं

सबसे पहले स्टडी प्लान बनाएं और अपना समय सबजेक्ट वाइज बराबर-बराबर बांटें और उन विषयों पर को ज्यादा समय दें, जिसमें आप कमजोर हैं। खुद को लगातार इंप्रूव करने के लिए स्टडी प्लान को फॉलो करें।

### प्रामाणिक अध्ययन सामग्री का उपयोग करें

सीटेट की तैयारी के लिए विश्वसनीय और प्रामाणिक अध्ययन सामग्री का उपयोग करें। एनसीआरटी की पाठ्यपुस्तकों, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और विशेष रूप से तैयार की गई स्टडी गाइडेंस को फॉलो करें। एग्जाम से रिलेटेड नवीनतम शैक्षिक विकास और नीतियों से अपडेट रहें।

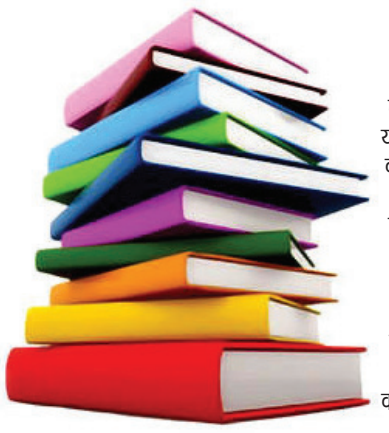

### नोट्स बनाएं

किताबों से पढ़ाई करना जरूरी है, लेकिन नोट्स बनाने से याददाश्त और समझ में काफी सुधार हो सकता है। मुख्य कांसेप्ट का सारांश, महत्वपूर्ण सूत्र लिखना और प्रत्येक विषय के महत्वपूर्ण बिंदुओं को हाइलाइट करना, जल्दी रिवीजन और विषय को मजबूत करने में मदद करता है।

### मॉक टेस्ट की प्रैक्टिस और एनॉलिसिस करें

एग्जाम के पैटर्न से खुद को परिचित कराने और टाइम मैनेटमेंट में सुधार करने के लिए नियमित रूप से मॉक टेस्ट और सैंपल पेपर हल करें। अपने परफॉर्मेंस का एनॉलिसिस करें, जिन टॉपिक में कमजोर हैं, उसकी पहचान करें और उन्हें मजबूत करने पर फोकस करें। यह प्रैक्टिस आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी और आपकी समस्या-समाधान क्षमताओं को इंप्रूव करेगी।

### शिक्षाशास्त्र और बाल विकास पर ध्यान दें

सीटेट परीक्षा के लिए शिक्षाशास्त्र और बाल विकास बेहद महत्वपूर्ण पक्ष है। बाल मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों, शिक्षण विधियों और सिद्धांतों को समझें। शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं से संबंधित प्रश्नों को अच्छे से तैयार करें, जिससे बाल विकास को समझने में आसानी होगी।